बी०ए० (संस्कृत आनर्स)	प्रश्नपत्रनाम- सन्तुलित जीवन की कला	परीक्षावर्ष 2022
पञ्चम सत्र	पेपर कोड- HSA-E512	

समयः 03 घण्टा पूर्णाङ्कः 70

विशेषः- प्रश्नपत्र ए एवं बी दो खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड को निर्देशानुसार पूर्ण करें।

खण्ड - ए

(लघूत्तरीय प्रश्न)

विशेषः- किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का है। 5x6=30

प्रश्न 1 योग की परिभाषा लिखकर योग का अर्थ स्पष्ट करें।

प्रश्न 2 पतञ्जलि मत में वैराग्य को स्पष्ट करें।

प्रश्न 3 आसन का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4 अधोलिखित श्लोक की व्याख्या कीजिए-

अन्नाद् भवन्ति भूतानि पर्जन्यादन्नसम्भवः।
यज्ञाद् भवन्ति पर्जन्यो यज्ञकर्मसमुद्भवः॥

प्रश्न 5 अधोलिखित श्लोक की व्याख्या कीजिए-

यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः।
स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते॥

प्रश्न 6 भेदपुरस्सर प्राणायाम को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 7 निम्न श्लोक की व्याख्या करें-

सहयज्ञाः प्रजाः सृष्ट्वा पुरोवाच प्रजापतिः।
अनेन प्रसविष्यध्वमेष वोऽस्त्विष्टकामधुक्॥

प्रश्न 8 निम्न श्लोक की व्याख्या कीजिए-

यज्ञशिष्टाशिनः सन्तो मुच्यन्ते सर्वकिल्विषैः।
भुञ्जते ते त्वघं पापं ये पचन्त्यकारणात्॥

प्रश्न 9 योग में अभ्यास का स्वरूप एवं महत्त्व स्पष्ट करें।

प्रश्न 10 चित्त प्रसादन के उपायों की चर्चा करें।

खण्ड - बी

(दीर्घोत्तरीय प्रश्न)

नोटः किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है। 4x10=40

प्र.१ सन्तुलित जीवन की महत्ता प्रतिपादित कीजिए।

प्र.२ मनोनियन्त्रण के उपायों की चर्चा कीजिए।

प्र.३ ज्ञानयोग की विस्तार से विवेचना कीजिए।

प्र.४ क्रियायोग का स्वरूप एवं महत्त्व निरूपित कीजिए।

प्र.५ बृहदारण्यकोपनिषद् के अनुसार श्रवण, मनन और निदिध्यासन को प्रतिपादित कीजिए।

प्र.६ समाधि का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

प्र.७ चित्तवृत्तियों की विस्तार से चर्चा कीजिए।

प्र.८ कर्मयोग को प्रतिपादित कीजिए।